No. of Printed Pages : 8

BECE–146

B. A. (GENERAL) ECONOMICS

(BAG)

Term-End Examination

June, 2025

BECE—146 : INDIAN ECONOMY—II

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer questions from each Section as per instructions given.*

Section–A

Note : Answer any *two* questions from this Section in about **600** words each.

2×20=40

1. Discuss the post-2000 changes in the Monetary Policy Mechanism in India.

2. Explain the problems of Indian agriculture which have continued to hamper its performance.

3. State the basic characteristics of the service sector. What factors have contributed to the surging ahead of services sector in India ?

4. Describe the steps taken to assist the 'small and tiny enterprises of the SSI sector' in the New Industrial Policy of 2017.

Section–B

Note : Answer any *four* questions from this Section in about **350** words each.

4×12=48

5. Discuss the instruments of Fiscal Policy.

6. Explain the features of FDI policy pursued by India in the post-1990s.

7. Indicate the various measures initiated for the Social Security of Unorganised Sector Workers in India.

8. Outline the consequences of changing 'agrarian relations' in India.

9. Briefly review the recent 'Market Reforms' for the agricultural sector in India.

10. Analyse the growth in the industrial production in India in the post-1991 period.

11. What are the major implications of higher growth trends of services sector for policy in India ?

Section–C

12. Write short notes on any *two* of the following in about **100-150** words each : 2×6=12

    (a) Reserve Money

    (b) Land Leasing

    (c) MSME sector

    (d) FDI

BECE–146

बी. ए. (सामान्य) अर्थशास्त्र (बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.ई.सी.ई.—146 : भारतीय अर्थव्यवस्था-II

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी भागों में निर्देशानसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

भाग—क

नोट : इस भाग से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **600** शब्दों में (प्रत्येक) में दीजिए। $2\times20=40$

1. भारत में मौद्रिक नीति प्रक्रिया में वर्ष 2000 के पश्चात् आए परिवर्तनों पर चर्चा कीजिए।

2. भारतीय कृषि की उन समस्याओं की व्याख्या कीजिए जिनके कारण इस क्षेत्रक का निष्पादन बाधित हो रहा है।

3. सेवा क्षेत्रक के आधारिक अभिलक्षण बताइए। भारत में सेवा क्षेत्रक की तीव्र प्रगति में किन कारकों का योगदान रहा है?

4. नई औद्योगिक नीति, 2017 में लघु एवं अतिलघु उद्यमों की सहायता के लिए क्या कदम उठाए गए हैं ? वर्णन कीजिए।

भाग—ख

नोट : इस भाग से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **350** शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए।। $4 \times 12 = 48$

5. राजकोषीय नीति के उपस्करों पर चर्चा कीजिए।

6. 1990 के दशक के बाद से भारत में अपनाई गई प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) की नीति के अभिलक्षणों की व्याख्या कीजिए।

7. भारत में असंगठित क्षेत्रक के कर्मियों की सामाजिक सुरक्षा के लिए प्रारम्भ किए गए उपाय बताइए।

8. भारत में परिवर्तित हो रहे 'कृषिक संबंधों' के परिणामों की एक रूपरेखा बनाइए।

9. भारत में हाल ही में कृषिक क्षेत्र के लिए किए गए 'बाजार सुधारों' की संक्षेप में पुनर्वीक्षा कीजिए।

10. वर्ष 1991 के बाद की अवधि में भारत में औद्यागिक उत्पादन में हुई संवृद्धि का विश्लेषण कीजिए।

11. भारत में नीति के लिए सेवा क्षेत्रक में उच्च दर से वृद्धि प्रवृत्तियों के मुख्य निहितार्थ क्या हैं?

भाग—ग

12. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2×6=12

(अ) सुरक्षित मुद्रा

(ब) भूमि को लीज पर लेना

(स) मध्यम, लघु एवं अतिलघु (सूक्ष्म) उद्यम क्षेत्रक (MSME)

(द) प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

× × × × ×